वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

(पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय,भारत सरकार की एक स्वायत निकाय)

रांची - गुमला राष्ट्रीय राजमार्ग - 23, रांची (झारखण्ड) – 835303

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत

लाह खेती को बढ़ावा हेतु परिचर्चा

स्थान : बांदु, करमटोली, तमाड़

दिनांक : 22.02.2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 22.02.2022 को तमाड़ के बांदु (करमटोली) ग्राम के लाह किसानों के साथ संस्थान के एक दल द्वारा लाह खेती को बढ़ावा देने के लिए परिचर्चा बैठक का आयोजन किया गया जिसमे ग्राम प्रधान, वार्ड पार्षद, महिला समिति सदस्यों सहित कुल 40 किसानों ने भाग लिया। संस्थान के दल द्वारा लाह खेती को फिर से शुरु करने के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता का आश्वासन दिया गया। ग्रामीणों द्वारा प्रशिक्षण की मांग किए जाने पत संस्थान के दल द्वारा मार्च के अंतिन पखवाड़ा में निदेशक से अनुमति मिलने पर प्रशिक्षण देने का आश्वासन दिया गया लेकिन इसके पूर्व ग्रामीणों को 10-25% पलास एवं बेर वृक्षों का कलम करना आवश्यक होगा।

। ग्राम प्रधान श्री जगमोहन मुण्डा ने लाह खेती के ह्रास में मोबाईल टावर को दोषी बताया। श्री रामबिलास लोहरा ने बताया कि विगत 15 साल से काफी प्रयास के बाद भी लाह की उपज नहीं हो पा रही है। श्री चंद्रमोहन मुण्डा, श्री नरसिंह मुण्डा ने भी अपने विचार रखे। महिला समिति की अध्यक्ष श्रीमती मीनू देवी ने जानकारी दी कि कई वर्षों से हीं लाह की पैदावार नहीं हो रही है, जबकि पहले काफी लाह हुआ करता था।

श्री एस.एन.वैद्य ने कहा कि निदेशक महोदय के भ्रमण के बाद हमलोगों को इस क्षेत्र में पुन: लाह की खेती के लिए प्रेरित करने का आदेश दिया। मोबाईल टावर सभी जगह है लेकिन लाह की खेती हो रही है। श्री बी.डी.पंडित ने लाह की खेती के ह्रास में पर्यावरण को दोषी बताया। जलवायु परिवर्तन के कारण सभी जीवों पर होने वाले असर को समझाते हुए श्री पंडित ने बताया कि इसका असर लाह कीट के जीवन चक्र पर भी पड़ा है। श्री सूरज कुमार ने बताया कि कुछ तकनीकी सुधार कर हम लाह की खेती पुन: कर सकते है एवं अच्छी उपज भी प्राप्त कर सकते है। श्री पंडित ने उपस्थित किसानों से पेड़ का आकड़ा एकत्र किया तथा पाया कि वृक्षों की अच्छी खासी संख्या है। संस्थान के दल द्वारा किसानों के वृक्षों का भी अवलोकन किया गया एवं आवश्यक सुझाव दिया गया।

सारी जानकारी एकत्र करने के पश्चात श्री बी.डी.पंडित द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम को विस्तार प्रभाग द्वारा सम्पादित किया गया।